IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता का लिंग के सन्दर्भ में तुलनात्मक अध्ययन

डॉ0 प्रवीन कुमार
एसोसिएट प्रोफेसर
शिक्षाशास्त्र विभाग
स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय
डोईवाला, देहरादून

डॉ0 संतोष कुमार त्रिपाठी
प्राचार्य
सरस्वती इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमैन्ट एण्ड टैक्नॉलॉजी
रूद्रपुर

पुष्पा जोशी
शोधार्थिनी
शिक्षाशास्त्र विभाग
स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय
डोईवाला, देहरादून

सारांश

प्रस्तुत शोध में सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता का लिंग के सन्दर्भ में तुलनात्मक अध्ययन करने का प्रयास किया गया है। प्रस्तुत शोध में वर्णनात्मक विधि के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। शोध की जनसंख्या में उधमसिंह नगर जिले के सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की कक्षा 11 एवं 12 में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है। प्रस्तुत शोध के न्यादर्श के लिए उधमसिंह नगर जिले के 10 सरकारी एवं 10 गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 383 छात्रों व 417 छात्राओं का चयन किया गया है। न्यादर्श का चयन करने के लिए यादृच्छिक न्यादर्श प्रविधि का प्रयोग किया गया है। इस शोध में लिंग व विद्यालय के प्रकार को स्वतन्त्र चर व नैतिक विकास के प्रति जागरुकता को आश्रित चर के रूप में लिया गया है। प्रदत्तों के संकलन के लिए डॉ0 अल्पना सेन गुप्ता एवं डॉ0 शगुफ्ता फखरूद्दीन द्वारा निर्मित एवं प्रमापीकृत मोरल डवलपमैन्ट स्केल का प्रयोग किया गया है। प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन व द्विमार्गी प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है। शोध के परिणामों में सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता, चोरी करने के प्रति जागरुकता, बेईमानी के प्रति जागरुकता, धोखा देने के प्रति जागरुकता एवं नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर पाया गया है। सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता, चोरी करने के प्रति जागरुकता, बेईमानी के प्रति जागरुकता, धोखा देने के प्रति जागरुकता एवं नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया है। सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता का स्तर उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की तुलना में उच्च पाया गया है।

मुख्य बिन्दु :– असत्य बोलने के प्रति जागरुकता, चोरी करने के प्रति जागरुकता, बेईमानी के प्रति जागरुकता, धोखा देने के प्रति जागरुकता, नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता एवं नैतिक विकास के प्रति जागरुकता।

❖ प्रस्तावना

नैतिक विकास व्यक्ति के चरित्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण पहलू है, विशेष रूप से उच्च माध्यमिक विद्यार्थियों के लिए, क्योंकि यह उनके जीवन मूल्यों, सामाजिक आचरण और नैतिक निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करता है। नैतिक विकास केवल सही और गलत में भेद करना नहीं है, वरन् यह व्यक्तित्व, आचरण और समाज के प्रति उत्तरदायित्व को भी सुदृढ़ करता है **(शर्मा, 2012)**। नैतिक विकास विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में सहायक होता है। यह उन्हें अनुशासन, ईमानदारी, सहानुभूति और आत्म–संयम जैसे गुणों को आत्मसात करने में सहायता करता है **(कुमार एवं पांडे, 2016)**। एक नैतिक रूप से विकसित व्यक्ति समाज में एक आदर्श नागरिक के रूप में प्रतिष्ठित होता है। नैतिक विकास विद्यार्थियों को जीवन में सही निर्णय लेने में सहायता करता है। उच्च माध्यमिक स्तर पर जब विद्यार्थी अपने भविष्य की दिशा तय कर रहे होते हैं, नैतिक विकास उन्हें सही मार्गदर्शन प्रदान करता है **(वर्मा, 2014)**।

नैतिक विकास विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना जागृत करता है। यदि विद्यार्थी नैतिक रूप से विकसित होते हैं, तो वे समाज में न्याय, समानता और सहिष्णुता को बढ़ावा देने में सहायक होते हैं। इससे समाज में हिंसा, भ्रष्टाचार और अन्य अनैतिक गतिविधियों को रोकने में सहायता मिलती है **(कुमारी, 2012)**। नैतिक विकास विद्यार्थियों में आत्म–नियंत्रण और मानसिक शांति बनाए रखने में सहायक होता है। यह तनाव, चिंता और नकारात्मक विचारों को कम करने में सहायता करता है। नैतिक रूप से विकसित व्यक्ति अपनी भावनाओं को नियंत्रित कर सकता है और विपरीत परिस्थितियों में भी संतुलन बनाए रखता है। उच्च माध्यमिक विद्यार्थी प्रायः शैक्षिक दबाव, प्रतियोगिता और व्यक्तिगत समस्याओं से गुजरते हैं, और नैतिक विकास उन्हें इन चुनौतियों का सामना करने के लिए सक्षम बनाती है **(सिंह, 2023 एवं गुप्ता, 2023)**।

नैतिक विकास व्यक्ति के व्यवसायिक और व्यक्तिगत जीवन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नैतिक रूप से विकसित व्यक्ति अपने व्यवसाय में सफलता प्राप्त करने के साथ–साथ अपने सहकर्मियों, मित्रों और परिवार के साथ अच्छे सम्बन्ध बनाए रख सकता है **(सिंह, 2023 एवं बाजपेई, 2023)**। नैतिक विकास केवल एक विषय नहीं वरन् जीवन जीने की एक कला है। यह विद्यार्थियों को एक सशक्त, उत्तरदायी और आदर्श नागरिक बनने में सहायता करता है। विद्यार्थियों में नैतिक विकास के प्रति जागरूकता एक अत्यन्त आवश्यक विषय है, क्योंकि यह उनके चरित्र निर्माण, सामाजिक जिम्मेदारी और जीवन मूल्यों के विकास में सहायक होता है। नैतिक विकास के प्रति जागरूकता में मानवीय संवेदनाओं, सहिष्णुता, ईमानदारी और सहानुभूति जैसे मूल्यों को आत्मसात करना भी शामिल है **(शर्मा एवं वर्मा, 2018)**।

नैतिक विकास के प्रति जागरूकता विद्यार्थियों को सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों को समझने में सहायता करती है **(सिंह, 2021)**। इसके अतिरिक्त नैतिक विकास के प्रति जागरूकता विद्यार्थियों को अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा सिखाती है, जिससे वे अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हैं। अतः नैतिक विकास के प्रति जागरूकता का विकास केवल विद्यार्थियों के व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं है, वरन् यह समाज की समृद्धि और प्रगति के लिए भी अनिवार्य है। विद्यार्थियों के समग्र विकास में नैतिक विकास एवं नैतिक विकास के प्रति जागरूकता के महत्व को जानकर शोधार्थिनी द्वारा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है। साथ ही प्रस्तुत शोध में विद्यालय के प्रकार एवं लिंग के सन्दर्भ में विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है।

❖ शोध अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्देश्य सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता का लिंग के सन्दर्भ में तुलनात्मक अध्ययन करना था।

❖ शोध अध्ययन की परिकल्पनाएं

प्रस्तुत शोध में निम्न परिकल्पनाओं का प्रतिपादन किया गया है :–

1. सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं है।
2. सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की चोरी करने के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं है।
3. सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की बेईमानी के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं है।
4. सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की धोखा देने के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं है।
5. सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं है।
6. सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं है।

❖ शोध प्रारूप एवं प्रविधि

1. **शोध विधि :** प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।
2. **जनसंख्या :** प्रस्तुत शोध की जनसंख्या में उधमसिंह नगर जिले के सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की कक्षा 11 एवं 12 में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है।
3. **न्यादर्श एवं न्यादर्श प्रविधि :** प्रस्तुत शोध के न्यादर्श के लिए उधमसिंह नगर जिले के 10 सरकारी एवं 10 गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 383 छात्रों व 417 छात्राओं का चयन किया गया है। न्यादर्श का चयन करने के लिए यादृच्छिक न्यादर्श प्रविधि का प्रयोग किया गया है।
4. **चर :** प्रस्तुत शोध में लिंग व विद्यालय के प्रकार को स्वतन्त्र चर व नैतिक विकास के प्रति जागरुकता को आश्रित चर के रूप में लिया गया है।
5. **शोध उपकरण :** डॉ0 अल्पना सेन गुप्ता एवं डॉ0 शगुफ्ता फखरूद्दीन द्वारा निर्मित एवं प्रमापीकृत मोरल डवलपमैन्ट स्केल।
6. **सांख्यिकीय प्रविधियाँ :** प्रस्तुत शोध में मध्यमान, मानक विचलन, द्विमार्गी प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है।

❖ व्याख्या एवं विश्लेषण

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या निम्न प्रकार है :

सारणी – 1(क) : सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता का लिंग के सन्दर्भ में मध्यमान तथा मानक विचलन

विद्यालय का प्रकार	लिंग	असत्य बोलने के प्रति जागरुकता		विद्यार्थियों की संख्या
		मध्यमान	मानक विचलन	
सरकारी	छात्र	3.97	1.74	210
	छात्रा	4.52	1.81	190
	कुल	4.23	1.79	400
गैर–सरकारी	छात्र	2.23	1.71	173
	छात्रा	3.23	2.02	227
	कुल	2.80	1.95	400
कुल	छात्र	3.18	1.93	383
	छात्रा	3.82	2.03	417
	कुल	3.51	2.01	800

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण, 2024

सारणी 1(क) से स्पष्ट है कि सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता का मध्यमान क्रमशः 3.97 एवं 4.52 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता का स्तर औसत है। गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता का मध्यमान क्रमशः 2.23 एवं 3.23 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता का स्तर क्रमशः निम्न एवं औसत है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता का स्तर सबसे अधिक है। इसके विपरीत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता का स्तर सबसे निम्न है।

सारणी – 1(ख) : प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	वर्गों का योग	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
विद्यालय का प्रकार	456.653	1	456.653	135.859**	सार्थक
लिंग	119.374	1	119.374	35.515**	सार्थक
अन्तःक्रिया	10.199	1	10.199	3.034	असार्थक
समूहों के मध्य	542.308	3	180.769		
समूहों के अन्तर्गत	2675.541	796	3.361		

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण, 2024

** = 0.01 सार्थकता स्तर

सारणी 1(ख) से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 796 पर सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता की तुलना हेतु प्राप्त एफ मान 135.859 (सार्थकता स्तर=0.01) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 796 पर सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता का लिंग के सन्दर्भ में प्राप्त एफ मान 35.515 (सार्थकता स्तर=0.01)

है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 796 पर उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता पर विद्यालय के प्रकार एवं लिंग की अन्तःक्रिया के प्रभाव हेतु प्राप्त एफ मान 3.034 है, जो सार्थक नहीं पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता पर विद्यालय के प्रकार एवं लिंग की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं है।

अतः परिकल्पना कि **"सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं है"** मुख्य रूप से निरस्त एवं आंशिक रूप से स्वीकृत की जाती है।

सारणी – 2(क) : सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की चोरी करने के प्रति जागरुकता का लिंग के सन्दर्भ में मध्यमान तथा मानक विचलन

विद्यालय का प्रकार	लिंग	चोरी करने के प्रति जागरुकता		विद्यार्थियों की संख्या
		मध्यमान	मानक विचलन	
सरकारी	छात्र	3.57	2.07	210
	छात्रा	4.57	1.82	190
	कुल	4.05	2.02	400
गैर–सरकारी	छात्र	2.12	1.58	173
	छात्रा	3.02	1.85	227
	कुल	2.63	1.79	400
कुल	छात्र	2.91	2.00	383
	छात्रा	3.73	1.99	417
	कुल	3.34	2.04	800

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण, 2024

सारणी 2(क) से स्पष्ट है कि सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की चोरी करने के प्रति जागरुकता का मध्यमान क्रमशः 3.57 एवं 4.57 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की चोरी करने के प्रति जागरुकता का स्तर औसत है। गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की चोरी करने के प्रति जागरुकता का मध्यमान क्रमशः 2.12 एवं 3.02 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की चोरी करने के प्रति जागरुकता का स्तर क्रमशः निम्न एवं औसत है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की चोरी करने के प्रति जागरुकता का स्तर सबसे अधिक है। इसके विपरीत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की चोरी करने के प्रति जागरुकता का स्तर सबसे निम्न है।

सारणी – 2(ख) : प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	वर्गों का योग	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
विद्यालय का प्रकार	446.116	1	446.116	130.142**	सार्थक
लिंग	181.154	1	181.154	52.847**	सार्थक
अन्तःक्रिया	0.501	1	0.501	0.146	असार्थक
समूहों के मध्य	582.262	3	194.087		
समूहों के अन्तर्गत	2728.613	796	3.428		

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण, 2024

** = 0.01 सार्थकता स्तर

सारणी 2(ख) से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 796 पर सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की चोरी करने के प्रति जागरुकता की तुलना हेतु प्राप्त एफ मान 130.142 (सार्थकता स्तर=0.01) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की चोरी करने के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 796 पर सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की चोरी करने के प्रति जागरुकता का लिंग के सन्दर्भ में प्राप्त एफ मान 52.847 (सार्थकता स्तर=0.01) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की चोरी करने के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 796 पर उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की चोरी करने के प्रति जागरुकता पर विद्यालय के प्रकार एवं लिंग की अन्तःक्रिया के प्रभाव हेतु प्राप्त एफ मान 0.146 है, जो सार्थक नहीं पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की चोरी करने के प्रति जागरुकता पर विद्यालय के प्रकार एवं लिंग की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं है।

अतः परिकल्पना कि **''सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की चोरी करने के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं है''** मुख्य रूप से निरस्त एवं आंशिक रूप से स्वीकृत की जाती है।

सारणी – 3(क) : सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की बेईमानी के प्रति जागरुकता का लिंग के सन्दर्भ में मध्यमान तथा मानक विचलन

विद्यालय का प्रकार	लिंग	बेईमानी के प्रति जागरुकता		विद्यार्थियों की संख्या
		मध्यमान	मानक विचलन	
सरकारी	छात्र	3.59	1.70	210
	छात्रा	4.41	1.41	190
	कुल	3.98	1.62	400
गैर–सरकारी	छात्र	2.23	1.65	173
	छात्रा	2.77	1.73	227
	कुल	2.54	1.72	400
कुल	छात्र	2.98	1.81	383
	छात्रा	3.51	1.79	417
	कुल	3.26	1.82	800

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण, 2024

सारणी 3(क) से स्पष्ट है कि सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की बेईमानी के प्रति जागरुकता का मध्यमान क्रमशः 3.59 एवं 4.41 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की बेईमानी के प्रति जागरुकता का स्तर औसत है। गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की बेईमानी के प्रति जागरुकता का मध्यमान क्रमशः 2.23 एवं 2.77 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की बेईमानी के प्रति जागरुकता का स्तर निम्न है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की बेईमानी के प्रति जागरुकता का स्तर सबसे अधिक है। इसके विपरीत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की बेईमानी के प्रति जागरुकता का स्तर सबसे निम्न है।

सारणी – 3(ख) : प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	वर्गों का योग	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
विद्यालय का प्रकार	444.717	1	444.717	166.511**	सार्थक
लिंग	90.187	1	90.187	33.768**	सार्थक
अन्तःक्रिया	3.865	1	3.865	1.447	असार्थक
समूहों के मध्य	510.516	3	170.172		
समूहों के अन्तर्गत	2125.953	796	2.671		

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण, 2024

** = 0.01 सार्थकता स्तर

सारणी 3(ख) से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 796 पर सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की बेईमानी के प्रति जागरुकता की तुलना हेतु प्राप्त एफ मान 166.511 (सार्थकता स्तर=0.01) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की बेईमानी के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 796 पर सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की बेईमानी के प्रति जागरुकता का लिंग के सन्दर्भ में प्राप्त एफ मान 33.768 (सार्थकता स्तर=0.01) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की बेईमानी के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 796 पर उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की बेईमानी के प्रति जागरुकता पर विद्यालय के प्रकार एवं लिंग की अन्तःक्रिया के प्रभाव हेतु प्राप्त एफ मान 1.447 है, जो सार्थक नहीं पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की बेईमानी के प्रति जागरुकता पर विद्यालय के प्रकार एवं लिंग की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं है।

अतः परिकल्पना कि **"सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की बेईमानी के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं है"** मुख्य रूप से निरस्त एवं आंशिक रूप से स्वीकृत की जाती है।

सारणी – 4(क) : सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की धोखा देने के प्रति जागरुकता का लिंग के सन्दर्भ में मध्यमान तथा मानक विचलन

विद्यालय का प्रकार	लिंग	धोखा देने के प्रति जागरुकता		विद्यार्थियों की संख्या
		मध्यमान	मानक विचलन	
सरकारी	छात्र	3.74	1.84	210
	छात्रा	4.81	1.84	190
	कुल	4.25	1.91	400
गैर–सरकारी	छात्र	1.91	1.59	173
	छात्रा	3.15	2.13	227
	कुल	2.61	2.01	400
कुल	छात्र	2.91	1.96	383
	छात्रा	3.90	2.16	417
	कुल	3.43	2.12	800

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण, 2024

सारणी 4(क) से स्पष्ट है कि सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की धोखा देने के प्रति जागरुकता का मध्यमान क्रमशः 3.74 एवं 4.81 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की धोखा देने के प्रति जागरुकता का स्तर औसत है। गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की धोखा देने के प्रति जागरुकता का मध्यमान क्रमशः 1.91 एवं 3.15 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की धोखा देने के प्रति जागरुकता का स्तर क्रमशः निम्न एवं औसत है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की धोखा देने के प्रति जागरुकता का स्तर सबसे अधिक है। इसके विपरीत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की धोखा देने के प्रति जागरुकता का स्तर सबसे निम्न है।

सारणी – 4(ख) : प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	वर्गों का योग	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
विद्यालय का प्रकार	602.818	1	602.818	171.182**	सार्थक
लिंग	262.888	1	262.888	74.652**	सार्थक
अन्तःक्रिया	1.442	1	1.442	0.409	असार्थक
समूहों के मध्य	798.682	3	266.227		
समूहों के अन्तर्गत	2803.113	796	3.521		

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण, 2024

** = 0.01 सार्थकता स्तर

सारणी 4(ख) से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 796 पर सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की धोखा देने के प्रति जागरुकता की तुलना हेतु प्राप्त एफ मान 171.182 (सार्थकता स्तर=0.01) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की धोखा देने के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 796 पर सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की धोखा देने के प्रति जागरुकता का लिंग के सन्दर्भ में प्राप्त एफ मान 74.652 (सार्थकता स्तर=0.01) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की धोखा देने के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 796 पर उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की धोखा देने के प्रति जागरुकता पर विद्यालय के प्रकार एवं लिंग की अन्तःक्रिया के प्रभाव हेतु प्राप्त एफ मान 0.409 है, जो सार्थक नहीं पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की धोखा देने के प्रति जागरुकता पर विद्यालय के प्रकार एवं लिंग की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं है।

अतः परिकल्पना कि **''सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की धोखा देने के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं है''** मुख्य रूप से निरस्त एवं आंशिक रूप से स्वीकृत की जाती है।

सारणी – 5(क) : सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता का लिंग के सन्दर्भ में मध्यमान तथा मानक विचलन

विद्यालय का प्रकार	लिंग	नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता		विद्यार्थियों की संख्या
		मध्यमान	मानक विचलन	
सरकारी	छात्र	12.92	3.83	210
	छात्रा	18.22	3.38	190
	कुल	15.44	4.49	400
गैर–सरकारी	छात्र	6.20	2.69	173
	छात्रा	13.87	4.94	227
	कुल	10.55	5.61	400
कुल	छात्र	9.88	4.74	383
	छात्रा	15.85	4.81	417
	कुल	13.00	5.63	800

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण, 2024

सारणी 5(क) से स्पष्ट है कि सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता का मध्यमान क्रमशः 12.92 एवं 18.22 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता का स्तर क्रमशः औसत एवं उच्च है। गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता का मध्यमान क्रमशः 6.20 एवं 13.87 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता का स्तर क्रमशः निम्न एवं औसत है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता का स्तर सबसे अधिक है। इसके विपरीत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता का स्तर सबसे निम्न है।

सारणी – 5(ख) : प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	वर्गों का योग	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
विद्यालय का प्रकार	6064.817	1	6064.817	402.805**	सार्थक
लिंग	8333.271	1	8333.271	553.468**	सार्थक
अन्तःक्रिया	278.788	1	278.788	18.516**	सार्थक
समूहों के मध्य	13361.027	3	4453.676		
समूहों के अन्तर्गत	11984.953	796	15.056		

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण, 2024

** = 0.01 सार्थकता स्तर

सारणी 5(ख) से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 796 पर सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता की तुलना हेतु प्राप्त एफ मान 402.805 (सार्थकता स्तर=0.01) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 796 पर सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता का लिंग के सन्दर्भ में प्राप्त एफ मान 553.468 (सार्थकता स्तर=0.01) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 796 पर उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता पर विद्यालय के प्रकार एवं लिंग की अन्तःक्रिया के प्रभाव हेतु प्राप्त एफ मान 18.516 (सार्थकता स्तर=0.

01) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता पर विद्यालय के प्रकार एवं लिंग की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर है।

अतः परिकल्पना कि **''सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं है''** पूर्ण रूप से निरस्त की जाती है।

सारणी – 6(क) : सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता का लिंग के सन्दर्भ में मध्यमान तथा मानक विचलन

विद्यालय का प्रकार	लिंग	नैतिक विकास के प्रति जागरुकता		विद्यार्थियों की संख्या
		मध्यमान	मानक विचलन	
सरकारी	छात्र	27.79	4.74	210
	छात्रा	36.53	4.30	190
	कुल	31.94	6.30	400
गैर–सरकारी	छात्र	14.68	3.13	173
	छात्रा	26.04	5.49	227
	कुल	21.12	7.28	400
कुल	छात्र	21.86	7.71	383
	छात्रा	30.82	7.22	417
	कुल	26.53	8.69	800

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण, 2024

सारणी 6(क) में सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता का लिंग के सन्दर्भ में मध्यमान तथा मानक विचलन प्रस्तुत किया गया है। सारणी से स्पष्ट है कि सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता का मध्यमान क्रमशः 27.79 एवं 36.53 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता का स्तर क्रमशः औसत एवं उच्च है। गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता का मध्यमान क्रमशः 14.68 एवं 26.04 है। इन मध्यमानों से स्पष्ट है कि गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों एवं छात्राओं की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता का स्तर क्रमशः निम्न एवं औसत है। सारणी से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता का स्तर सबसे अधिक है। इसके विपरीत उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता का स्तर सबसे निम्न है।

सारणी – 6(ख) : प्रसरण विश्लेषण

प्रसरण स्रोत	वर्गों का योग	स्वतन्त्रता अंश	वर्गों के मध्यमान का योग	एफ मान	परिणाम
विद्यालय का प्रकार	27558.823	1	27558.823	1312.928**	सार्थक
लिंग	19989.002	1	19989.002	952.295**	सार्थक
अन्तःक्रिया	339.212	1	339.212	16.160**	सार्थक
समूहों के मध्य	43680.964	3	14560.321		
समूहों के अन्तर्गत	16708.316	796	20.990		

स्रोत :– शोधार्थिनी द्वारा एकत्रित प्रदत्तों का विश्लेषण, 2024

** = 0.01 सार्थकता स्तर

सारणी 6(ख) से स्पष्ट है कि स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 796 पर सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता की तुलना हेतु प्राप्त एफ मान 1312.928

(सार्थकता स्तर=0.01) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 796 पर सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता का लिंग के सन्दर्भ में प्राप्त एफ मान 952.295 (सार्थकता स्तर=0.01) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर है।

स्वतन्त्रता अंश 1 तथा 796 पर उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता पर विद्यालय के प्रकार एवं लिंग की अन्तःक्रिया के प्रभाव हेतु प्राप्त एफ मान 16.160 (सार्थकता स्तर=0.01) है, जो सार्थक पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता पर विद्यालय के प्रकार एवं लिंग की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर है।

अतः परिकल्पना कि **"सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं है"** पूर्ण रूप से निरस्त की जाती है।

❖ परिणाम

प्रस्तुत शोध से निम्न परिणाम प्राप्त किये गये हैं :–

1. सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता, चोरी करने के प्रति जागरुकता, बेईमानी के प्रति जागरुकता, धोखा देने के प्रति जागरुकता एवं नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर पाया गया है।
2. सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता, चोरी करने के प्रति जागरुकता, बेईमानी के प्रति जागरुकता, धोखा देने के प्रति जागरुकता एवं नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता का स्तर गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की तुलना में उच्च पाया गया है।
3. सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता, चोरी करने के प्रति जागरुकता, बेईमानी के प्रति जागरुकता, धोखा देने के प्रति जागरुकता एवं नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया है।
4. उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता, चोरी करने के प्रति जागरुकता, बेईमानी के प्रति जागरुकता, धोखा देने के प्रति जागरुकता एवं नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता का स्तर उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की तुलना में उच्च पाया गया है।
5. उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की असत्य बोलने के प्रति जागरुकता, चोरी करने के प्रति जागरुकता, बेईमानी के प्रति जागरुकता, धोखा देने के प्रति जागरुकता पर विद्यालय के प्रकार एवं लिंग की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।
6. उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता पर विद्यालय के प्रकार एवं लिंग की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया है। सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की नैतिक तर्क के प्रति जागरुकता का स्तर अपेक्षाकृत उच्च पाया गया है।
7. सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर पाया गया है। सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की

नैतिक विकास के प्रति जागरुकता का स्तर गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की तुलना में उच्च पाया गया है।

8. सरकारी एवं गैर–सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता में लिंग के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता का स्तर उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्रों की तुलना में उच्च पाया गया है।
9. उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता पर विद्यालय के प्रकार एवं लिंग की अन्तःक्रिया के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया है। सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्राओं की नैतिक विकास के प्रति जागरुकता का स्तर अपेक्षाकृत उच्च पाया गया है।

❖ शैक्षिक निहितार्थ

नैतिक विकास के प्रति जागरुकता विकसित करने के लिए विद्यालयों को पाठ्यक्रम में नैतिकता से संबंधित विषयों को अनिवार्य रूप से सम्मिलित करना चाहिए। इसके साथ ही नैतिक कहानियों, दार्शनिक विचार और नैतिक निर्णय लेने की प्रक्रिया को भी शिक्षण का भाग बनाया जा सकता है। पाठ्यक्रम निर्माताओं को विद्यार्थियों में नैतिक विकास के प्रति जागरूकता को विकसित करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। पाठ्यक्रम निर्माताओं को शिक्षा के सभी स्तरों पर नैतिकता को एकीकृत करना चाहिए। प्राथमिक शिक्षा में विद्यार्थियों को नैतिक कहानियों, कविताओं और खेलों के माध्यम से आधारभूत मूल्यों जैसे सत्य, अहिंसा और सहिष्णुता के बारे में सिखाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त पाठ्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक संदर्भों में नैतिकता की अवधारणा पर चर्चा करनी चाहिए। शिक्षकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे स्वयं विद्यार्थियों के लिए एक नैतिक और मानवीय आदर्श बनें। शिक्षकों के अपने कार्य, व्यवहार और दृष्टिकोण विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनते हैं। यदि शिक्षक खुद नैतिकता और मानवाधिकारों का पालन करेंगे, तो विद्यार्थी भी उन्हें अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।

परामर्शदाताओं को नैतिक विकास के लिए विद्यार्थियों के व्यक्तिगत अनुभवों और दैनिक गतिविधियों को आधार बनाना चाहिए। वे विद्यार्थियों को उन परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार कर सकते हैं जहाँ नैतिक निर्णय लेने की आवश्यकता होती है। परामर्शदाताओं को नैतिक दुविधाओं पर आधारित सत्र आयोजित करना चाहिए जहाँ विद्यार्थियों को यह सोचने और चर्चा करने का मौका मिले कि वे ऐसी परिस्थितियों में क्या करेंगे और क्यों। इस प्रकार के सत्र विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच और नैतिक मूल्यांकन की क्षमता को प्रोत्साहित करेंगे। इसके अतिरिक्त परामर्शदाता विद्यार्थियों को सिखा सकते हैं कि सहानुभूति और सह–अस्तित्व का महत्व क्या है और वे इसे अपने दैनिक जीवन में कैसे लागू कर सकते हैं। वे विद्यार्थियों को यह दिखा सकते हैं कि दूसरों के दृष्टिकोण को समझने और सम्मान करने से समाज में कैसे सकारात्मक बदलाव लाए जा सकते हैं।

❖ सन्दर्भ सूची

कुमार, ए0 एवं पांडे, बी0 (2016). उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और सामाजिक परिपक्वता का उनकी शैक्षिक निष्पत्ति से सम्बन्ध. *जर्नल ऑफ इन्जीनियरिंग टैक्नॉलॉजीस एण्ड इन्नोवेटिव रिसर्च, 3*(5), 180–191।

कुमारी, एस0 (2012). उच्च माध्यमिक स्तर के निम्न निष्पत्ति प्राप्त विद्यार्थियों के नैतिक मूल्यों और व्यवसायिक अभिरुचियों का अध्ययन. *जर्नल ऑफ एजुकेशन एण्ड सोशल साइन्सेज, 11*(2), 89–99।

गुप्ता, पी0 (2023). विद्यार्थियों में नैतिक, मानवीय एवं संवैधानिक मूल्यों का विकास. *शोध समीक्षा, 10*(1), 230–239।

बाजपेई, आर0 (2023). माध्यमिक शिक्षा में संवेदनशीलता और नैतिक मूल्यों का प्रभाव : एक प्रायोगिक अध्ययन. *अमोघव्रत, 9*(5), 171–182।

वर्मा, एस0 (2014). माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर सामाजिक–आर्थिक स्तर का प्रभाव. *इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ साइन्टिफिक रिसर्च इन साइन्स एण्ड टैक्नॉलॉजी, 3*(8), 115–123।

शर्मा, पी0 एवं वर्मा, एस0 (2018). इम्पॉरटेन्स ऑफ मोरल अवेयरनैस इन हायर सेकेन्डरी स्टूडेन्ट्स. *इण्डियन जर्नल ऑफ साइकॉलॉजिकल स्टडीज, 6*(2), 210–225।

शर्मा, एल0एम0 (2012). उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन, मानसिक स्वास्थ्य व मूल्यों के पारस्परिक प्रभाव का अध्ययन. *इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ साइन्टिफिक रिसर्च इन साइन्स एण्ड टैक्नॉलॉजी, 4*(3), 70–89।

सिंह, एस0 (2023). उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के नैतिक मूल्यों का सृजनात्मकता पर प्रभाव. *रिव्यू ऑफ रिसर्च, 7*(9), 95–106।

सिंह, आर0 (2021). एथिक्स इन एजुकेशन : ए नैसिसिटी फॉर मॉडर्न स्टूडेन्ट्स. *जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 11*(1), 99–115।

सिंह, आर0 (2023). राजकीय उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के विद्यार्थियों के नैतिक विकास का अध्ययन. *इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ साइकॉलॉजिकल रिसर्च, 6*(8), 86–103।